Rule 5 of the Central Silk Board Rules, 1955, this House do proceed to elect, in such a manner as the Chairman may direct, one member from among the Members of the House to be a member of the Central Silk Board."

The question was put and the motion was adopted.

MATTER RAISED WITH PERMISSION

Purchasing of the Coffins/Caskets at a higher price during the Kargil war

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : आदरणीय सभापति महोदय, ताबूत घोटाले से कारगिल में हमारे शहीदों ने जो शहादत दी थी ...**(व्यवधान)**..

श्री संघ प्रिय गौतम : यह बहुत पुरानी बात है । ...**(व्यवधान)**..

MR. CHAIRMAN: I have permitted him. ...*(Interruptions)*...

श्री सुरेश पचौरी : अगर शहीदों की बात कहने से भी इन्हें शर्मिंदगी होती है तो यह और भी शर्मिंदगी वाली बात है ।

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' : जो पार्लियामेंटरी कमेटी के सामने है, जो पब्लिक अकाउंट्स कमेटी के सामने है...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: Let me hear. ...*(Interruptions)*...

श्री सुरेश पचौरी: मान्यवर, मैं आपकी आज्ञा से कह रहा हूं। ...**(व्यवधान)**... मैं आपका अनुगृहित हूं कि आपने बहुत भावुक, गंभीर और घोटाले वाले मसले पर मुझे बोलने की अनुमति प्रदान की । मैं यह आग्रह कर रहा था कि ताबूत खरीदी घोटाले से कारगिल में हमारे जवानों ने जो शहादत दी है, उससे निश्चित रूप से जो और भी भ्रष्टाचार की परतें खुली हैं, उससे हम सब आहत हुए हैं और शहादत भी आहत हुई है । मान्यवर, शहीद तो नहीं बोलते परन्तु ताबूत खरीदी का भ्रष्टाचार रोज बोलता जा रहा है । आए दिन इस ताबूत खरीदी के संबंध में जो समाचार आ रहे हैं, वह अत्यंत गंभीर हैं । मैं आपका ध्यान आज के एक समाचार पत्र, टाइम्स ऑफ इंडिया में जो समाचार प्रकाशित हुआ है, उसकी ओर दिलाना चाहता हूं कि "Kargil coffins bought at twice US price." मान्यवर, पहले यह बताया गया था कि जो ताबूत खरीदी वाला मामला था, उसमें जो मूल्य आंके गये थे, वह 2700 डॉलर एक-एक ताबूत के मूल्य आंके गये थे । बाद में जो लगभग पांच सौ ताबूतों की खरीदी हुई, वह 2500 डॉलर की हुई लेकिन आज जो समाचार प्रकाशित हुआ है, उसमें यू.एस. डिफेंस प्रोक्योरमेंट एजेंसी ने यह बताया कि ऐल्यूमीनियम कैसकेट संबंधी ताबूत की खरीदी संबंधी जो दाम थे, वह एक हजार दो सौ डॉलर के ही थे ।

मैं इस सदन में यह मुद्दा उठाते हुए यह कहना चाहता हूं कि सरकार द्वारा यह बताया गया था कि मात्र एक ही कंपनी है ब्यूट्रोन एंड बैज़ । मैं जानना चाहता हूं कि जिन दो अन्य कंपनियों का जिक्र इस समाचार में किया गया है डेल्टा इंडस्ट्रीज और डैटन मैन्युफैक्चरिंग कंपनी,

क्या उनसे सरकार ने यह पॉसिबिलिटी एक्सप्लोर की थी कि वे ताबूत दे सकते हैं और यदि दे सकते हैं तो कितने दामों में दे सकते हैं ? क्योंकि जो दूसरी अन्य कंपनियों और डिफेंस प्रोक्योरमेंट एजेंसी का मैंने ज़िक्र किया है, उन्होंने 70 ताबूतों का मूल्य केवल 1200 डॉलर ही आंका है जबकि जो खरीदी हमारे हिंदुस्तान में हुई है, वह 500 ताबूतों की हुई है, जो ज्यादा है और उसकी कीमत और कम होनी चाहिए लेकिन कीमत ज्यादा बताई गई है । महोदय, मैं इस मुद्दे से हटकर एक और दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा यहां उठाना चाहता हूं । ...(व्यवधान)...

SHRI KAPIL SIBAL (Bihar): Mr. Chairman, Sir, I may be permitted to state that, yesterday, a very serious development had taken place. One Mr. R.N. Tiwari, a Public Prosecutor, had lodged an FIR with regard to the Tehelka matter. The FIR was not lodged by the CBI, and, so, he filed the matter in the court as to why the CBI ...*(Interruptions)*...

श्री एस.एस.अहलुवालिया (झारखंड) : यह बहस का मुद्दा नहीं है ...क्या आप कोर्ट में बहस कर रहे हैं? ...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: How are you raising this point? You have not taken permission from me. ...*(Interruptions)*...

SHRI KAPIL SIBAL: Sir, I am seeking your permission. ...*(Interruptions)*... Sir, the court has issued a notice.

MR. CHAIRMAN: No; no. ...*(Interruptions)*... I have not permitted you. ...*(Interruptions)*... Mr. Sibal, I have not permitted you. ...*(Interruptions)*... I have permitted Shri Suresh Pachouri. ...*(Interruptions)*...

SHRI KAPIL SIBAL: Sir, this is a very important issue.

MR. CHAIRMAN: I have not permitted you. You cannot mix up two things. ...*(Interruptions)*... No; no. ...*(Interruptions)*... I have permitted Shri Suresh Pachouri. ...*(Interruptions)*...

श्री सुरेश पचौरी : सर, वे यह कह रहे हैं कि दिल्ली हाई कोर्ट में जो ट्रायल कोर्ट है, उसने श्री जार्ज फर्नान्डीज के खिलाफ केस रजिस्टर करने के लिए सी.बी.आई. को डायरेक्ट किया है । ...(व्यवधान)...

श्री एस.एस.अहलुवालिया : दिल्ली हाई कोर्ट का सवाल यहां कहां से आ गया ? आप तो ताबूत की बात कर रहे थे, ताबूत की बात ही कीजिए । सभापति महोदय, दिल्ली हाई कोर्ट की बात या सुप्रीम कोर्ट की बात यहां ...(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी : महोदय, उन्होंने मिस्टर पंडित के नाम पर जो सैंसेटिव डॉक्युमेंट दिए, वे डॉक्युमेंट उन्होंने क्यों दिए ? इस बात की जांच की जाए और उनके खिलाफ केस रजिस्टर किया जाए । महोदय, सी.बी.आई. प्रधान मंत्री के अंतर्गत आती है इसलिए प्रधान मंत्री बताएं कि वे इस संबंध में उनके खिलाफ केस रजिस्टर करने जा रहे हैं या नहीं ? रक्षा मंत्रालय

में बहुत अक्षम्य अनियमितताएं हो रही हैं । रोज़ाना भ्रष्टाचार की परतें खुल रही हैं । यह बहुत गंभीर मामला है । ...(व्यवधान)...महोदय, यह बहुत गंभीर मामला है । अभी तक मामला ताबूत खरीदी में हुए घपले का था और अब यह मामला दिल्ली हाई कोर्ट में जार्ज फर्नान्डीज के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों को रजिस्टर करने का है, इसलिए इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए ...(व्यवधान)...

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal): Sir, a very serious development has taken place. ...*(Interruptions)*... Sir, the Prime Minister should come and make a statement here. ...*(Interruptions)*... This is not a very simple thing. ...*(Interruptions)*...

श्री सुरेश पचौरी : मान्यवर, भ्रष्टाचार की सारी हदें और सारी मर्यादाएं तोड़ दी गई हैं। रक्षा मंत्रालय में जिस प्रकार का भ्रष्टाचार हो रहा है, उससे भ्रष्टाचार की सारी परतें खुल गई हैं। ...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*...

श्री सुरेश पचौरी : मान्यवर, भ्रष्टाचार के मामले रक्षा मंत्रालय के प्रकाश में आ रहे हैं । शहीदों की आत्माएं इस सरकार को कोसती रहेंगी, आजन्म कोसती रहेंगी । वे इस सरकार को कभी माफ़ नहीं करेंगी जितना भ्रष्टाचार उन्होंने किया है । ...(व्यवधान)... मान्यवर, सी.बी.आई. को निर्देशित किया गया है कि वह जार्ज फर्नान्डीज के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुकदमा चलाए ।

MR. CHAIRMAN: Do you want to say something?...*(Interruptions)*...

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI GEORGE FERNANDES): Yes, Sir...*(Interruptions)*...

SHRI NILOTPAL BASU: No, no ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: He has a right to say...*(Interruptions)*... The Minister has a right to reply...*(Interruptions)*... The Minister has a right to say...*(Interruptions)*... He has a right to say...*(Interruptions)*...

SHRI NILOTPAL BASU: Mr. Chairman, Sir, the Prime Minister should come to clarify. ...*(Interruptions)*... We do not recognise him...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: The Minister has a right to say...*(Interruptions)*... He has a right to say...*(Interruptions)*... The Minister has a right to reply...*(Interruptions)*... Nothing will go on record except what the Minister says...*(Interruptions)*... Mr. Suresh Pachouri has said something, and he has a right to reply...*(Interruptions)*...

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI O. RAJAGOPAL): If they are not prepared to hear the Defence

Minister's reply, then, all those mentions should be expunged..*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Mr. Pachouri, you have spoken...*(Interruptions)*... Nothing will go on record..*(Interruptions)*... Mr. Pachouri, you have made your submission..*(Interruptions)*...

SHRI KAPIL SIBAL: The Prime Minister must come.

MR. CHAIRMAN: He has a right to say...*(Interruptions)*... Nothing else will go on record except the Minister's reply...*(Interruptions)*... Nothing else will go on record. Only Minister's reply will go on record..*(Interruptions)*...

You have spoken. Now, he has a right. He wants to say something. ...*(Interruptions)*... No; nothing. ...*(Interruptions)*...

श्री जार्ज फर्नान्डीज : सभापति जी...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: The Minister has a right to reply. ...*(Interruptions)*... Mr. Suresh Pachouri has said something. He has referred to him. The Minister has a right to reply. ...*(Interruptions)*... आपका हो गया ...**(व्यवधान)**... Nothing will go on record. First he will reply and then other things will be taken. ...*(Interruptions)*... No; nothing. Mr. Pachouri had asked for my permission, and I gave him permission. And, while he was speaking, the hon. Minister was present; according to the rule, he has a right to reply. ...*(Interruptions)*... I have not permitted anybody else. ...*(Interruptions)*... The Chair's ruling cannot be challenged. I have permitted him, ...*(Interruptions)*... and he has a right to reply. Then, other things will follow. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*...

Nothing is going on record. ...*(Interruptions)*...

Nothing, except the Minister, will go on record..*(Interruptions)*...

Nothing is going on record. Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... Only the Minister will speak. ...*(Interruptions)*... Let the Minister speak. ...*(Interruptions)*...

SHRI GEORGE FERNANDES: Sir,..*(Interruptions)*... The Chair should defend me. ...*(Interruptions)*... Sir, you should protect me. ...*(Interruptions)*... Where should I go? You are asking me..*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Please sit down, all of you. He is the Minister. Let him speak. ...*(Interruptions)*... I have already given my ruling. Mr. Suresh

Pachouri has spoken. Now, the Minister is there to reply. ...*(Interruptions)*... Nothing else will go on record. ...*(Interruptions)*...

Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... No slogans, please..*(Interruptions)*... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*...

SHRI GEORGE FERNANDES: Sir, you have allowed me to speak. ...*(Interruptions)*... Sir, you have to protect me. ...*(Interruptions)*... Please restore order in the House. ...*(Interruptions)*... Sir, I want to make a submission before you. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Nothing is going on record except the Minister. ...*(Interruptions)*... The House is adjourned for fifteen minutes.

The House then adjourned at forty minutes past twelve of the clock.

The House reassembled at fifty-five minutes past twelve of the clock,

[Mr. Chairman in the Chair]

MR. CHAIRMAN: Mr. George Fernandes. ...*(Interruptions)*...

SHRI KAPIL SIBAL: Mr. Chairman, Sir, if you permit me, I just want to make a statement. ...*(Interruptions)*... I want to put it on record ...*(Interruptions)*...

श्री जार्ज फर्नान्डीज : सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए कहा है, मैं खड़ा हूं **...(व्यवधान)...**आप मेरी तरफ देख ही नहीं रहे हैं **...(व्यवधान)...**

SHRI KAPIL SIBAL: Sir, I want to make a statement. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Let him say. ...*(Interruptions)*... I will hear you. ...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA: What he is going to say is ...*(Interruptions)*...

श्री सुरेश पचौरी : आप चेयरमैन के आदेश को क्यों नहीं मान रहे हैं ? पर उपदेश कुशल बहुतेरे । अब तो चेयरमैन साहब की बात सुनिए **...(व्यवधान)...**

SHRI KAPIL SIBAL: Our point is very clear. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: I have called him. ...*(Interruptions)*... I have already called him...*(Interruptions)*...

1.00 P.M.

SHIR KAPIL SIBAL: Sir, I just want to make a statement on record. ...*(Interruptions)*... It has gone on record that we are defying your ruling. ...*(Interruptions)*... No. We have great respect for your ruling. ...*(Interruptions)*... We are not interested in defying your ruling. ...*(Interruptions)*... We just want to say that since the Opposition does not recognise him as the Defence Minister of the country, we are walking out. ...*(Interruptions)*...

(At this stage some hon. Members left the Chamber.)

श्री जार्ज फर्नान्डीज : सभापति महोदय, हमारी सेना के लिए जो कैस्केट्स खरीदे गए थे, उसके बारे में मैंने आज सुबह अखबार में एक खबर पढ़ी । इन्हें लेकर एक लंबा विवाद भी चला था। इस मामले की जांच कम्प्ट्रोलर ऐंड ऑडिटर जनरल ने की थी और उनकी रिपोर्ट आ गई थी। इस रिपोर्ट पर हमें कुछ आपत्तियां थीं और हमने वे आपत्तियां उठाईं थीं । आज यह सारा मामला संसद के सामने है । पी.ए.सी. इस मामले की जांच कर रही है और उसकी रिपोर्ट अभी आनी है । महोदय, ऐसे जो भी मामले होते हैं, कौन सी चीज कितने में खरीदी गई, उसमें क्या गलतियां हुईं या उसमें कोई गलत काम हो गया, इन सारी चीजों की जांच सी.वी.सी. के जरिए होती है । इसी तरह कम्प्ट्रोलर ऐंड ऑडिटर जनरल को भी अधिकार है हर चीज को रखने का, देखने का और अपनी रिपोर्ट देने का।

सभापति जी, कैस्केट्स को लेकर जो बात चल रही है, इस सदन में भी सदस्यों ने बार-बार यह बात कही कि भारी पैसा देकर 500 कैस्केट्स खरीदी गई हैं ।.पहली बात यह है कि 500 कैस्केट्स नहीं खरीदी गई हैं । जो ऑर्डर दिया गया था वह केवल 150 कैस्केट्स के लिए था । जिस जगह पर इनको रखने की व्यवस्था होती है, वे कैस्केट्स आज भी वहां पड़ी हुई हैं । उनका इस्तेमाल अभी तक नहीं हुआ है । एक बात बार-बार कही जा रही है कि कारगिल के शहीदों के लिए ये कैस्केट्स मंगाई गई थीं । मैं यह साफ कर देना चाहता हूं कि कारगिल युद्ध के बहुत बाद ये कैस्केट्स आई थीं । अत: ये कारगिल युद्ध के समय इस्तेमाल में लाई हुई कैस्केट्स नहीं हैं । इस तरह बिना किसी जानकारी के अनेक किस्म की बातें कही जाती हैं कि जवानों के खून के ऊपर कई लोगों ने पैसा बनाया । इस तरह की बातें अंटशंट ढंग से कही जाती हैं, जो कि नहीं कहनी चाहिए ।

अब यहां जो सवाल आज के दिन उठा है, मैंने जब आज सुबह अखबार पढ़ा और जैसे ही मैं दफ्तर पहुंच गया तो मैंने दो-तीन बातों का वहां पर फैसला लिया। पहला, आर्मी हैडक्वार्टर से फिर एक बार इन सारी चीजों के बारे में पूछताछ हो जाए और उनकी रिपोर्ट मंगाई जाए। दूसरे, हमारे मंत्रालय के अंदर भी इसके बारे में जांच हो जाए और जो भी उनको कहना है, वह सब हमारे सामने आ जाए। तीसरी बात, जिनसे इनको खरीदा गया है, उनसे अगर सम्पर्क करना हो तो उनसे सम्पर्क करके उनकी इस बारे में क्या टिप्पणी है, उसको मंगाया जाए और चौथी बात, जब इन कैस्केट्स को लेकर विवाद चला था तो वाशिंगटन में जो हमारा दूतावास है उससे भी सच्चाई को पाने के लिए मदद ली जाए और उन्होंने भी उसमें काफी काम किया था और हमारे कार्यालय को यह कहा कि हमारे दूतावास में हमारे राजदूत से भी सम्पर्क किया जाए और

उन्हें इस बारे में हमें जो बताना है, वह बताया जाए। जब यहां पर सुबह है तो वहां पर रात है। यहां अभी दिन के 11 बजे हैं तो पता नहीं वहां रात के कितने बजे होंगे। इसलिए वहां से रिपोर्ट आने में कुछ समय लगना है, क्योंकि हम जिनसे रिपोर्ट मांगेंगे उनके हाथ में तत्काल कोई ऐसी चीज नहीं है कि वह बटन दबाकर किसी कम्प्यूटर से इसको निकाल सकते हैं, उनको भी तो पूछताछ करनी होगी। जैसे ही वह रिपोर्ट हमारे पास आ जाएगी हम उसे पार्लियामेंट की पी0ए0सी0 के सामने रखेंगे और अगर सदन उसको अलग से देखना चाहे तो हम सदन के सामने उसको रखने के लिए तैयार हैं, इसमें हमें कोई आपत्ति नहीं है। चूंकि मुझे यह नहीं मालूम कि यहां क्या-क्या आरोप लगाए गए हैं, क्या-क्या बातें कही गई हैं उनको यहां पर मैं बिल्कुल ही नहीं सुन पाया। हंगामा शुरू होने से पहले केवल 500 कैस्केट्स कहने की बात हमने सुनी थी। तो वह एक आंकड़ा हम समझ गए। बाकी यहां क्या कहा गया उसको हम स्पष्ट रूप से नहीं सुन पाए, न समझ पाए। इसलिए रिकार्ड देखने के पश्चात ही मुझे अधिकार होना चाहिए कि अगर कोई गलत बात उसमें कही गई हो, किसी प्रकार का आरोप हमारे ऊपर किया हो, बेबुनियाद आरोप हमारे ऊपर किया हो, अगर सही आरोप हो तो हम उसको स्वीकार करेंगे। लेकिन अगर कोई बेबुनियाद बात हमारे बारे में कही गई हो, सरकार के बारे में कही गई हो, सेना के बारे में कही गई हो, हमारे मंत्रालय के बारे में कही गई हो तो उनका जवाब देने के लिए हमें अधिकार होना चाहिए, यह मेरी आपसे प्रार्थना है। इससे अधिक मुझे कुछ नहीं कहना है। मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं कि आपने मुझे समय दिया।

MESSAGE FROM THE LOK SABHA

THE VICE-PRESIDENT'S PENSION (AMENDMENT) BILL, 2002

SECRETARY-GENERAL: Sir, I have to report to the House the following message received from the Lok Sabha signed by the Secretary-General of the Lok Sabha:-

"In accordance with the provisions of rule 96 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, I am directed to enclose the Vice-President's Pension (Amendment) Bill, 2002, as passed by Lok Sabha at its sitting held on the 7th May, 2002.

2. The Deputy Speaker has under article 95(1) of the Constitution certified that this Bill is a Money Bill within the meaning of article 110 of the Constitution of India."

Sir, I lay a copy of the Bill on the Table of the House.

MR. CHAIRMAN: The House is adjourned for lunch for one hour.

The House then adjourned for lunch at three minutes past one of the clock.